

डाक पंजीयन संख्या  
एस.एस.पी.एल.उब्ल्यू/एन  
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9    संस्कंद : 240  
पृष्ठ : 8    मूल्य : ३ रुपया  
लखनऊ, शनिवार, 23 दिसम्बर, 2023



## एक नज़र केजरीवाल सरकार की फिर बढ़ी मुश्किलें नकली दवाएं खरीदने का है आरोप



**नई दिल्ली।** दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को चिठ्ठी लिखी है। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाओं की सतर्कता रिपोर्ट पर सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार पर कथित शराब घोटाला मामले के आरोप लगे थे। जिसमें जांच चल रही है। वहीं अभी भाजपा दिल्ली सरकार पर जल बोर्ड में घोटाले के भी आरोप लगा रही है। बीते दिनों भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस वार्ता के दौरान एक और बड़े घोटाले का दावा किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार केजरीवाल की गारंटी है। जल बोर्ड में घोटाला किया जा रहा है। ठेके का पैसा बढ़ेगा तो लूट तो मचेगी। वहीं, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अलावा सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी।

## यूपी पुलिस में 60 हजार सिपाहियों की भर्ती का कार्यक्रम जारी, 27 दिसंबर से करें आवेदन

**लखनऊ।** उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने नागरिक पुलिस में 60,244 सिपाहियों की सीधी भर्ती के लिए शनिवार को अधिसूचना जारी कर दिया है। इसके साथ ही आवेदन की तिथि भी घोषित कर दी गई है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले अभ्यर्थी 27 दिसंबर से 16 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन में संशोधन और शुल्क समायोजन के लिए अंतिम तिथि 18 जनवरी रखी गई है। अभ्यर्थी भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट <https://uppbpb.gov.in> पर जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

## न मैं डमी कैंडीडेट और न रबर स्टैप: कुश्ती महासंघ अध्यक्ष पहलवानों के विवाद से मुझे मतलब नहीं: संजय सिंह



### 17 प्रकार के खेलों का आयोजन

संसद बृजभूषण शरण सिंह के प्रतिनिधि संजीव सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र के 17 विकासखंडों के 50 हजार खिलाड़ी शामिल हुए। 17 प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें एथलेटिक्स, कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, पेंटिंग, मेहंदी, रंगोली, वालीबाल, पावर लिफ्टिंग आदि शामिल है।

कर रहे हैं उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। न ही मैं डमी कैंडीडेट हूँ और न रबर स्टैप। पहले से ही मैं कुश्ती महासंघ में हूँ। खिलाड़ियों का साल बर्बाद न हो इसलिए प्रतियोगिता कराई जा रही है। जिसमें सभी खिलाड़ी शामिल होंगे। सांसद ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को खेलों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने खेल के क्षेत्र में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाओं की सराहना की। कहा कि सांसद खेल स्पर्धा भी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का हिस्सा है। उद्घाटन सत्र के बाद पांच दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिने बालक बालिकाओं के 200, 400 और 1600 मीटर दौड़ के साथ ही लंबी कूद, रस्साकशी और क्रिकेट प्रतियोगिता कराई गई। पहले दिन बालकों के जूनियर 400 मीटर दौड़ में तरंगंज के मुकेश मौर्या ने

**नई दिल्ली।** अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए शुक्रवार को शुरू हुई भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिन की बैठक आज समाप्त हो गई। बैठक दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में हुई। सूत्रों के मुताबिक बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रमों और लोकसभा चुनाव की तैयारी करने, मिशन 2024 के लिए कर्म करसने का आह्वान किया।

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी पूरे देश में महिला, युवा, किसान और गरीबों को पार्टी से जोड़ने के लिए अभियान चलाएगी। प्रधानमंत्री मोदी जनवरी में देश भर के युवाओं को संबोधित करेंगे। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में 35 करोड़ वोट पाने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत विभिन्न योजनाओं के सात करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचने की रणनीति



### सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी पूरे देश में महिला, युवा, किसान और गरीबों को पार्टी से जोड़ने के लिए अभियान चलाएगी, प्रधानमंत्री मोदी जनवरी में देश भर के युवाओं को संबोधित करेंगे

बनाई गई है। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी बीजेपी कार्यकर्ता अपने-अपने इलाके के मंदिर में पूजन और लाइव प्रसारण की व्यवस्था करेंगे। 22 जनवरी के बाद हर राज्य से ट्रेन के जरिए लोगों को अयोध्या ले जाकर भगवान राम के दर्शन कराए जाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि राम मंदिर से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ज्यादा से ज्यादा साझा करें और लोगों से चर्चा करें।

बीजेपी ने कार्यकर्ताओं से बूथ लेवल पर हर एक मतदाता के संपर्क

## पहलवानों के समर्थन में उतरीं खाप पंचायत साक्षी व बजरंग से फैसला वापस लेने का करेंगे अनुरोध



### अध्यक्ष चुने जाने पर एतराज

जाता है। खापों ने कहा कि वह पहलवानों के साथ हैं और साक्षी मलिक के कुश्ती से सन्यास और बजरंग पूनिया के पदवी लौटाने के फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील करते हैं। कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश, माजरा खाप के प्रधान गुरविंद सिंह संधु, प्रवक्ता समुद्र सिंह फौर, नौगाभा खाप के प्रवक्ता उमेश सिंह जागलान, कंडेला खाप के प्रवक्ता जगत सिंह रेड्डू ने कहा कि बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे

### उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मामले से नहीं कोई लेना देना

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री के मामले में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला, रणधीर रेड्डू, जगत सिंह रेड्डू, कृष्ण कंडेला, रमेश, अजमेर दालमवाल, भूरा कंडेला, राजेश शाहपुर तथा पाल सिंह ने कहा कि इससे खाप व जाटों का कोई लेना देना नहीं है। जिस समय डेढ़ साल तक किसानों का दिल्ली में आंदोलन चला, उस समय जगदीप धनखड़ ने किसानों के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला। यह एक भाजपा की सोची-समझी साजिश है। देश में भाजपा जाति-पाति के नाम पर लोगों को बांटना चाहती है।

खिलाड़ी देश का गौरव हैं। साक्षी मलिक के कुश्ती छोड़ने, बजरंग पूनिया द्वारा पदवी लौटाने के फैसले से खापों को भी ठेस पहुंची है और खापों उनके समर्थन में खड़ी हैं। उनकी मांग है कि फेडरेशन को ऐसे लोगों से मुक्त करवाया जाए, जिससे खिलाड़ी इस तरह के फैसले लेने को मजबूर हो रहे हैं। खाप प्रतिनिधि दिलबाग कुड्डू, सोमदत्त शर्मा, ओमप्रकाश, वीरेंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह के फैसले से तो अखाड़े खाली हो जाएंगे। पदवी शिखिलाड़ी बजरंग पूनिया को

### विधानसभा चुनावों में बीजेपी की बड़ी जीत की प्रशंसा

बैठक में हाल के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की बड़ी जीत की प्रशंसा की गई। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों ने जीत पर अपने विचार रखे। बीजेपी की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने 'एक्स पर एक पोस्ट' में कहा, नई दिल्ली में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा संघटन द्वारा किए गए विभिन्न नवाचारों व प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट पाने की गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा की।

में रहने को कहा है। कहा गया है कि, कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ के मतदाताओं के घर जाकर उनसे मिलें।

## बीजेपी की नजर वोट प्रतिशत बढ़ाने पर

**नई दिल्ली।** बीजेपी की नजरे 2024 के लोकसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करने पर टिकी हैं और इसके मद्देनजर पीएम मोदी ने संगठन के प्रमुख नेताओं से पार्टी का वोट प्रतिशत 10 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में काम करने को कहा है। बैठक के समापन दिवस पर पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी का प्रदर्शन ऐसा होना चाहिए कि विपक्ष स्तब्ध हो जाए। विपक्षी गठबंधन %इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस और बीजेपी के बीच सीधी लड़ाई की संभावना के बीच पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आने

वाले लोकसभा चुनाव में 2019 के चुनावों की तुलना में पार्टी के वोट प्रतिशत में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का आह्वान किया। सन 2019 के चुनाव में बीजेपी को 37 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे जबकि उसके नेतृत्व वाले एनडीए को करीब 45 प्रतिशत वोट मिले थे। सन 2014 में केंद्र में सत्ता में आने के बाद से बीजेपी ने विधानसभा चुनावों में अपने वोट प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं और कुछ चुनावों में उसे सफलता भी मिली है। बैठक में अमित शाह ने हाल ही में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी के प्रदर्शन का उल्लेख किया और 50 प्रतिशत वोट हासिल करने के लक्ष्य के लिए राज्य संगठन की सराहना की। सूत्रों ने बताया कि मोदी की तरह शाह ने भी चुनावों में संगठन की प्रमुखता को रेखांकित किया और कहा कि पार्टी को इतनी भारी जीत मिलनी चाहिए कि विपक्ष उसे चुनौती देने से पहले कई बार सोचे। सूत्रों ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जीत के लिए सीट संख्या का कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया, लेकिन ऐसी जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया जो 2019 के प्रदर्शन से बड़ी हो। बीजेपी ने पिछले आम चुनावों में 543 सदस्यीय लोकसभा की 303 सीटें जीती थीं।

भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत

और योजनाओं के बारे में लोगों को बताएं।

### कोहरे में टकराए पांच

### वाहन, चार घायल

**बछरावां (रायबरेली)।** लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर कत्रावां के निकट घने कोहरे के चलते पांच वाहनों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में चार कार सवार घायल हो गए, जिनका निजी अस्पताल में इलाज कराया गया। हादसे के चलते हाईवे पर एक घंटे तक वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा। इससे लोग परेशान रहे। लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर कत्रावां गांव के निकट हाईवे पर शनिवार सुबह आठ बजे एक स्कूल वैन के मुड़ते समय रायबरेली की ओर से आ रही कार ने टक्कर मार दी। घटना के बाद दोनों वाहनों के रुकते ही पीछे से आ रहे एक कटेनर ने कार में टक्कर मार दिया। घने कोहरे के चलते चालक कटेनर लेकर फरार हो गया। इसी दौरान रायबरेली की ओर से आ रहे टुक चालक ने घटना को देखते ही टुक को रोक दिया, तभी पीछे से आ रही एक दूसरी डिजायर कार टुक के पिछले हिस्से से टकरा गई। हादसे में डिजायर कार सवार रायबरेली शहर के छोटी बाजार रंग महल निवासी वैस फारुकी (36), जैद फारुकी (51), शमीम (71) और गाड़ी चालक कैफ (27) घायल हो गए। सभी लखनऊ एयरपोर्ट पर फ्लाइट पकड़ कर उमरह करने जा रहे थे, तभी हादसा हो गया।

## कांग्रेस में हुआ बड़ा फेटबदल सचिन पायलट पार्टी के महासचिव नियुक्त



### एजेंसी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस पार्टी संगठन में शनिवार को बड़ा बदलाव कर दिया गया है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को पार्टी का महासचिव नियुक्त करने के साथ ही छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरोने अपनी टीम में बड़ा बदलाव करते हुए 12 महासचिवों और 12 प्रदेश प्रभारियों की नियुक्ति की है। पार्टी के संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रियंका गांधी को महासचिव के पद पर बरकरार रखा गया है लेकिन फिलहाल उन्हें न तो किसी प्रदेश का प्रभार दिया गया है और न ही कोई अन्य जिम्मेदारी दी गई है। प्रियंका गांधी पिछले करीब पांच साल से उत्तर प्रदेश की प्रभारी की भूमिका निभा रही थीं। अब प्रियंका गांधी के स्थान पर पार्टी

महासचिव अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस में केशी वेणुगोपाल संगठन महासचिव बने रहेंगे तथा महासचिव जयराम रमेश भी पार्टी की संचार विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। अजय माकन पार्टी के कोषाध्यक्ष की भूमिका निभाते रहेंगे। उनके साथ दो नेताओं मिलिंद देवरा और विजय इंद्र सिंहला को संयुक्त कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को महासचिव नियुक्त करने के साथ ही छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। महासचिव कुमारी सेलजा को छत्तीसगढ़ से हटाकर उत्तराखंड के प्रभारी की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। सुखजिंद सिंह रंधावा राजस्थान के प्रभारी बने रहेंगे।

## गाजा में मारे गए इजरायल के पांच सैनिक बाइंडन और नेतन्याहू के बीच हुई युद्ध को लेकर चर्चा



### एजेंसी

**यरुशलम।** इजरायल-हमसा के बीच युद्ध को दो महीने से अधिक समय हो गया है। इस बीच इजरायली सेना ने शनिवार को बताया कि गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान उसके पांच

सशस्त्र शाखा अल कसम ब्रिगेड ने कहा कि उसने पांच इजरायली सैनिकों को नष्ट कर दिया है। जिसमें उनके कई सैनिक मारे गए हैं और घायल भी हुए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि इजरायल पर हुए हमले के बाद से उनके अब तक 144 सैनिक मारे गए हैं। इजरायल के ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम हर शहीद सैनिक के लिए आगे भी कार्रवाई को जारी रखेंगे, जब तक हमसा का सफाया नहीं हो जाता और बंधकों की सुरक्षित रिहाई नहीं हो जाती। वहीं, हमसा की सूचित कर दिया। एक बरिष्ठ अफसर ने बताया कि स्कॉड को बैग में दो किलो विस्फोटक से बना बम मिला। बाकी उपकरणों के साथ इसका वजन पांच किलो के करीब था। इस बम को दो नियंत्रित धमाकों के जरिए डिफ्यूज किया गया। गौरतलब है कि कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर है। यहां केंट स्टेशन पर हर दिन हजारों यात्री और कारगो ट्रेनों की आवाजाही होती है।

## कराची को दहलाने की साजिश नाकाम! केंट रेलवे स्टेशन में खड़ी ट्रेन में मिला टाइम बम

### एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के कराची को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश नाकाम हुई है। बताया गया है कि यहां केंट रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में टाइम बम पाया गया। पुलिस के मुताबिक, किसी अज्ञात शख्स ने एक बैग छोड़ दिया था। इसमें पांच किलो का आईडी डिवाइस मिला। इस बम को बम स्कॉड ने समय

रहते ही डिफ्यूज कर लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कराची के डीआईजी ऑपरेशंस ने कहा कि शुक्रवार रात 9.15 बजे उम्मेद पेशावर से आ रही पेशावर एक्सप्रेस में एक सीट के नीचे बैग रखा मिला। इस बैग को स्टेशन पर निगाह रख रहे गार्ड ने बरामद कर लिया। खोलने पर इसमें बैटरी, तारों और स्विच से जुड़ा एक टाइम बम मिला। गार्ड ने तुरंत ही इसे डिफ्यूज करने के लिए बम स्कॉड को

















भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में शामिल उत्तरप्रदेश की प्राचीन धार्मिक नगरी वाराणसी में हजारों साल पूर्व स्थापित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वप्रसिद्ध है। हिन्दू धर्म में सर्वाधिक महत्व के इस मंदिर के बारे में कई मान्यताएँ हैं। माना जाता है कि भगवान शिव ने इस 'ज्योतिर्लिंग' को स्वयं के निवास से प्रकाशपूर्ण किया है। पृथ्वी पर जितने भी भगवान शिव के स्थान हैं, वे सभी वाराणसी में ही हैं।



भगवान शिव मंदिर पर्वत से काशी आए तभी से उत्तम देवस्थान नदियों, वनों, पर्वतों, तीर्थों तथा द्वीपों आदि सहित काशी पहुंच गए। विभिन्न ग्रंथों में मनुष्य के सर्वविध अभ्युदय के लिए काशी विश्वनाथजी के दर्शन आदि का महत्व विस्तारपूर्वक बताया गया है। इनके दर्शन मात्र से ही सांसारिक भयों का नाश हो जाता है और अनेक जन्मों के पाप आदि दूर हो जाते हैं। काशी विश्वेश्वर लिंग ज्योतिर्लिंग है जिसके दर्शन से मनुष्य परम ज्योति को पा लेता है। सभी लिंगों के पूजन से सारे जन्म में जितना पुण्य मिलता

है, उतना केवल एक ही बार श्रद्धापूर्वक किए गए 'विश्वनाथ' के दर्शन-पूजन से मिल जाता है। माना जाता है कि सैकड़ों जन्मों के पुण्य के ही फल से विश्वनाथजी के दर्शन का अवसर मिलता है। मान्यता है कि शिव के त्रिशूल की नोक पर वाराणसी शहर बसा है। गंगा नदी के तट पर विद्यमान श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में वैसे तो सालभर यहाँ श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना के लिए आने का

रहा है। इस मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आने वालों में आदिशंकराचार्य, संत एकनाथ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि स्वामी दयानंद, गोस्वामी तुलसीदास जैसे सैकड़ों



महापुरुष शामिल हैं। वर्ष 1676 ई. में रीवा नरेश महाराजा

भावसिंह तथा बीकानेर के राजकुमार सुजानसिंह काशी यात्रा पर आए थे। उन्होंने विश्वेश्वर के निकट ही शिवलिंगों को स्थापित किया। हिन्दू वास्तुकला की यह अनमोल धरोहर इंदौर की महारानी अहिल्याबाई द्वारा वर्ष 1780 ई. में बनवाई गई थी। मंदिर का निर्माण वर्ष 1780 में भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी को पूर्ण हुआ था। वर्तमान मंदिर का स्वरूप और परिसर आज मूल रूप से वैसे का वैसा ही है, जैसा कि महारानी अहिल्याबाई द्वारा वर्ष 1780 ई. में बनवाया गया होगा। पंजाब के महाराजा रणजीतसिंह ने वर्ष 1853 में 1,000 किलोग्राम शुद्ध सोने से मंदिर के शिखरों को स्वर्ण मंडित किया जिसका स्वरूप आज भी विद्यमान है।

मोक्ष लक्ष्मीविलास मंदिर के ही समान इस मंदिर में 5 मंडप बनाने का प्रयत्न किया गया लेकिन विश्वनाथजी के कोने में

द्वारा किया जा रहा है। श्रुति स्मृति इतिहास तथा पुराणादि के अनुसार काशी सकल ब्रह्मांड के देवताओं की निवास स्थली है, जो शिव को अत्यंत प्रिय है। काशी में शिव के अनेकानेक रूप विग्रह, लिंग आदि की पूजा-अर्चना की जाती है। शिवपुराण के अनुसार काशी में देवाधिदेव विश्वनाथजी का पूजन-अर्चना सर्व पापनाशक, अनंत अभ्युदयकारक, संसाररूपी दावाग्न से दग्ध जीवरूपी वृक्ष के लिए अमृत तथा भवसागर में पड़े प्राणियों के लिए मोक्षदायक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि वाराणसी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। पौराणिक मान्यता है कि काशी में



लगभग 511 शिवालय प्रतिष्ठित थे। इनमें से 12 स्वयंभू शिवलिंग, 46 देवताओं द्वारा, 47 ऋषियों द्वारा, 7 ग्रहों द्वारा, 40 गणों द्वारा तथा 294 अन्य श्रेष्ठ शिवभक्तों द्वारा स्थापित किए गए हैं। काशी या वाराणसी भगवान शिव की राजधानी मानी जाती है इसलिए अत्यंत महिमामयी भी है। अविमुक्त क्षेत्र, गौरीमुख, त्रिकंठक विराजित, महाशमशान तथा आनंद वन प्रभृति नामों से मंडित होकर गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों वाली है।

महापुरुष शामिल हैं। वर्ष 1676 ई. में रीवा नरेश महाराजा

## काशी विश्वनाथ: जिनके त्रिशूल पर विराजित है वाराणसी नगर

होने के कारण पूर्व दिशा में मंडप नहीं बन पाया। यही वजह है कि पूर्व दिशा में मंदिर का विस्तार किया गया है। इस विस्तृत प्रांगण में दोनों ओर शाला मंडप निर्मित हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंदिर परिसर का विस्तार किया जा रहा है। मंदिर के शिखर पर जहाँ तक स्वर्णमंडप हुआ है, उसके नीचे के भाग को भी स्वर्णमंडित किए जाने का प्रयत्न वर्तमान मंदिर प्रशासन

यज्ञ कुण्ड में अपने प्राण त्याग दिए थे, तब भगवान शंकर देवी सती के मृत शरीर को लेकर पूरे ब्रह्माण्ड के चक्कर लगा रहे थे। इसी दौरान भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को 51 भागों में विभाजित कर दिया था, जिसमें सती का सिर इस स्थान पर गिरा था, इसलिए इस मंदिर को श्री सुरकंडा देवी मंदिर कहा जाता है। सती के शरीर भाग जिस जिस स्थान पर गिरे थे इन स्थानों को शक्ति पीठ कहा जाता है।



विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को 51 भागों में विभाजित कर दिया था, जिसमें सती का सिर इस स्थान पर गिरा था, इसलिए इस मंदिर को श्री सुरकंडा देवी मंदिर कहा जाता है। सती के शरीर भाग जिस जिस स्थान पर गिरे थे इन स्थानों को शक्ति पीठ कहा जाता है।

औषधीय गुणों से भरपूर प्रसाद: सुरकंडा देवी मंदिर की एक खास विशेषता यह बताई जाती है कि भक्तों को प्रसाद के रूप में दी जाने वाली रौसली की पत्तियाँ औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन पत्तियों से घर में सुख समृद्धि आती है। क्षेत्र में इसे देववृक्ष का दर्जा हासिल है। इसीलिए इस पेड़ की लकड़ी को इमारती या दूसरे व्यावसायिक उपयोग में नहीं लाया जाता। सिद्धपीठ मां सुरकंडा मंदिर पुजारी रमेश प्रसाद लेखवार का कहना है कि वैसे तो हर समय मां के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त होता है, लेकिन गंगादशहर व नवरात्र के मौके पर मां के दर्शनों का विशेष महत्व माना गया है। मां के दर्शन मात्र से समस्त कष्टों का निवारण होता है। जहाँ गंगादशहर पर विशाल मेला लगता है और दूर-दूर से लोग मां के दर्शन करने मंदिर पहुंचते हैं।

साल भर खुले रहते हैं कपाट: मां के दरबार से ब्रह्मनाथ, केदारनाथ, तुंगनाथ, सौंखंबा, गौरीशंकर, नीलकंठ आदि सहित कई पर्वत श्रृंखलाएँ दिखाई देती हैं। मां सुरकंडा देवी के कपाट साल भर खुले रहते हैं।

वायु मार्ग: यहाँ से सबसे नजदीकी हवाई अड्डा जौलीग्राम है। यहाँ से बस या टैक्सी मिल जाएगी।

रेलमार्ग: यहाँ से सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन ऋषिकेश, हरिद्वार व देहरादून है। यहाँ से आप बस या टैक्सी से मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग: मां सुरकंडा मंदिर पहुंचने के लिए हर जगह से वाहनों की सुविधा है। देहरादून से वाया मसूरी होते हुए 73 किमी दूरी तय कर कद्दूखाल पहुंचना पड़ता है। यहाँ से दो किमी पैदल दूरी तय कर मंदिर पहुंचना पड़ता है। ऋषिकेश से वाया चंबा होते हुए 82 किमी की दूरी तय कर भी यहाँ पहुंचा जा सकता है।

## 51 शक्ति पीठ में से है सुरकंडा देवी मंदिर

इंद्र ने साम्राज्य वापस पाने से लिए यहीं की थी आराधना



देवभूमि उत्तराखंड के टिहरी जनपद में स्थित जौनपुर के सुरकुट पर्वत पर सुरकंडा देवा का मंदिर है। यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है जो कि नौ देवी के रूपों में से एक है। यह मंदिर 51 शक्ति पीठ में से है। इस मंदिर में देवी काली की प्रतिमा स्थापित है। केदारखंड व स्कंद पुराण के अनुसार राजा इंद्र ने यहाँ मां की आराधना कर अपना खोया हुआ साम्राज्य प्राप्त किया था। यह स्थान समुद्रतल से करीब 3 हजार मीटर ऊंचाई पर है इस कारण यहाँ से ब्रह्मनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमनोत्री अर्थात चारों धामों की पहाड़ियाँ नजर आती हैं। इसी परिसर में भगवान शिव एवं हनुमानजी को समर्पित मंदिर भी है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि व गंगा दशहर के अवसर पर इस मंदिर में देवी के दर्शन से मनोकामना पूर्ण होती है।

यहाँ गिरा था देवी सती का सिर: पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी सती ने उनके पिता दक्षेश्वर द्वारा किए

यज्ञ कुण्ड में अपने प्राण त्याग दिए थे, तब भगवान शंकर देवी सती के मृत शरीर को लेकर पूरे ब्रह्माण्ड के चक्कर लगा रहे थे। इसी दौरान भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को 51 भागों में विभाजित कर दिया था, जिसमें सती का सिर इस स्थान पर गिरा था, इसलिए इस मंदिर को श्री सुरकंडा देवी मंदिर कहा जाता है। सती के शरीर भाग जिस जिस स्थान पर गिरे थे इन स्थानों को शक्ति पीठ कहा जाता है।

औषधीय गुणों से भरपूर प्रसाद: सुरकंडा देवी मंदिर की एक खास



मोटापा और वजन बढ़ना... ये दो ऐसी चीजें हैं जिनसे ज्यादातर लोग परेशान हैं। मोटापा कम करने और वजन घटाने के लिए हम क्या-क्या

तरकीब नहीं अपनाते। तरह-तरह के डाइट लेते हैं, एक्ससाइज करते हैं और यहाँ तक कि डायटिंग तक करते हैं, लेकिन उस हद तक कामयाबी नहीं मिल पाती, जिस हद तक जरूरी होती है। बढ़ती तौल और

## तौल और बढ़ते वजन से हैं परेशान, रोजाना

वजन कम करना बेहद जरूरी है क्योंकि यह कई बीमारियों को जन्म देता है। इससे न सिर्फ हार्ट संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो जाती है, बल्कि डायबीटीज और कलेस्ट्रॉल भी शरीर में जमा हो जाता है। तो आखिर

वजन कम किया कैसे जाए? इसके लिए आपको ऐसी चीजें खाने की जरूरत है, जिनमें कैलरी भी कम हो और फैट भी। जैसे कि तरबूज, खीरा, ककड़ी आदि। अब गर्मियों का मौसम है, इसलिए ऐसी चीजें खाने से ही आप वजन कम करने में कामयाब हो पाएंगे।

चलिए आज हम आपको बताएंगे कि कैसे खीरे का जूस वजन घटाने और निकली हुई तौल को कम करने में मदद कर सकता है:-

● खीरे के जूस में कोई सोडियम नहीं होता और यह प्राकृतिक रूप से डाइयुरेटिक होता है। इसी खीरे की वजह से यह शरीर में मौजूद जहरीले तत्व और फैट सेल्स को रिमूव कर देता है। साथ ही

यह ब्लॉटिंग होने से भी बचाता है। अगर आपको भूख लगी है तो उस वक्त

2 खीरे काटकर खा लें। इससे काफी देर के लिए आपकी भूख शांत हो जाएगी। खीरे में पोटैशियम, फाइबर, विटामिन सी, के, मैग्नीशियम और विटामिन ए होता है, जो शरीर को पोषण देने के लिए जरूरी है।

● रोजाना सुबह खाली पेट खीरे का जूस पिएं। इससे काफी वजन कम करने में मदद मिलती है। खीरे का जूस बनाने के लिए एक खीरा लें और उसमें थोड़ा सा नींबू, एक चुटकी काला नमक, एक चुटकी काली मिर्च, थोड़ा सा पुदीना डाल लें और ब्लेंड कर लें। इससे यह जूस टेस्टी बनेगा और आप रोजाना इसे सुबह खाली पेट पी पाएंगे।

● खीरे का जूस आपके मेटाबॉलिज्म को भी सुधारता है। मेटाबॉलिज्म सही रहता है तो खाने की पाचन क्रिया भी ठीक रहती है और वह आसानी से बांडी में अब्जॉर्ब भी हो जाता है।

● खीरे के जूस में जरा भी फैट नहीं होता और इसलिए आप निश्चित होकर इस हल्दी जूस का सेवन कर सकते हैं। बेहतर परिणाम के लिए इसे आप रोजाना अपने डाइट में शामिल कर लें। खासकर खाली पेट पीने से काफी फायदा होगा।

● न्यूट्रिशनस्ट ने भी वजन घटाने के लिए खीरे के जूस को काफी फायदेमंद बताया है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप खीरे का सेवन किस तरह से करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेन्स, आषा काम्लेक्स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (30800) से प्रकाशित। RNI No. UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुश्रितियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्च अधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

